Result Mitra Daily Magazine

शतरंज एवं इनसे संबंधित तथ्य

चर्चा में क्यों ?

- भारत के शतरंज के खिलाड़ी डोम्माराजू गुकेश ने 18 वर्ष की उम्र में दुनिया के सबसे कम उम्र के "शतरंज चैंपियन" बनने का गौरव हासिल किया है।
- दुनिया के पांचवें नंबर के शतरंज खिलाड़ी डोम्माराजू गुकेश ने अपने प्रतिद्वंदी डिंग लिरेन को 7.5–6.5 से हराकर यह उपलब्धि हासिल की।
- डी गुकेश से पहले दुनिया के सबसे कम उम्र के शतरंज चैंपियन का रिकॉर्ड रूस के कास्पारोव (22 वर्ष) के नाम पर था।
- भारत के विश्वनाथ आनंद के बाद विश्व शतरंज चैंपियन बनने वाले डी गुकेश भारत के दूसरे खिलाड़ी है।
- डी गुकेश की इस सफलता ने भारत की शतरंज क्षमता को वैश्विक मंच पर चमका दिया है।

विश्व शतरंज चैंपियनशिप :

- आधुनिक समय में शतरंज का खेल 15वीं शताब्दी में स्पेन में उभरा।
- विश्व चैंपियनशिप के रूप में मान्यता प्राप्त पहला शतरंज का आयोजन 1886 में हुआ, जिसमें विल्हेम स्टीनिट्ज और जोहान्स जुकेर्टोर्ट के बीच फाइनल खेला।
- इससे पहले आयोजन में विल्हेम स्टीनिट्ज पहले विश्व चैंपियन बने।
- इसके बाद वर्ष 1948 में अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE, Federation International des Echecs) ने विश्व चैंपियनशिप का प्रशासन की जिम्मेदारी संभाली।

शतरंज संबंधित प्रमुख तथ्य :

- एक शतरंज खिलाड़ी द्वारा हासिल करने वाला सर्वोच्च उपाधि या रैंकिंग "ग्रैंडमास्टर" होता है, जिसे अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) द्वारा प्रदान किया जाता है।
- ग्रैंडमास्टर के अलावा अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) का योग्यता आयोग शतरंज से संबंधित सात अन्य उपाधि प्रदान करता है।
- इन सात उपाधियों में इंटरनेशनल मास्टर (IM), FIDE मास्टर (FM), कैंडिडेट मास्टर (CM), वूमन ग्रैंडमास्टर (WGM), वूमन इंटरनेशनल मास्टर (WIM), वूमन FIDE मास्टर (WFM) और महिला कैंडिडेट मास्टर (WCM) है।
- ग्रैंडमास्टर और अन्य सात उपाधियों की वैधता जीवन भर की होती है।
- FIDE के द्वारा अब तक लगभग 2000 शतरंज खिलाड़ियों को ग्रैंडमास्टर की उपाधि दी गई है।
- ग्रैंडमास्टर की उपाधि वाले अधिकांश शतरंज खिलाड़ी पुरुष (Male) है।
- विश्व में सबसे ज्यादा ग्रैंडमास्टर की उपाधि वाले शतरंज खिलाड़ी रूस से हैं जबकि इसके बाद संयुक्त राज्य अमेरिका और जर्मनी आता है।
- भारत में कुल 85 ग्रैंडमास्टर की उपाधि रखने वाले शतरंज के खिलाड़ी हैं।
- विश्वनाथ आनंद भारत के सबसे पहले शतरंज ग्रैंडमास्टर हैं, जिनको यह उपाधि 1988 में दी गई।
- वर्ष 1984 में विश्वनाथ आनंद को इंटरनेशनल मास्टर (IM) की उपाधि प्रदान की गई।
- विश्वनाथ आनंद ने सर्वप्रथम 1986 में पहली बार राष्ट्रीय शतरंज चैंपियनशिप जीती थी।
- विश्वनाथ आनंद ने FIDE द्वारा आयोजित विश्व चैंपियनशिप को वर्ष 2000, 2007, 2008, 2010 और 2012 में जीता।
- भारत की पहली महिला ग्रैंडमास्टर बनने का गौरव कोनेरू हम्पी को प्राप्त हुआ।
- "ग्रैंडमास्टर" शब्द की उत्पत्ति लगभग 100 वर्ष पहले हुई थी।
- FIDE ने वर्ष 1950 से अपने निर्धारित मानदंडों के आधार पर औपचारिक रूप से सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को ग्रैंडमास्टर के रूप में नामित करना शुरू किया।
- वर्ष 1950 में FIDE द्वारा 27 ग्रैंडमास्टर की उपाधि प्रदान की गई।

ग्रैंडमास्टर के लिए योग्यताएं :

- FIDE द्वारा ग्रैंडमास्टर के लिए योग्यताओं में वर्ष 1957, 1965 और 1970 में बदलाव किए गए।
- वर्तमान में FIDE उन शतरंज खिलाड़ियों को ग्रैंडमास्टर की उपाधि प्रदान करता है, जो 2500 की FIDE मानक रेटिंग के साथ तीन ग्रैंडमास्टर मानदंड हासिल करने में सक्षम होता है।
- ग्रैंडमास्टर मानदंडों को विभिन्न टूर्नामेंट, खेल और खिलाड़ियों के संबंध में जटिल और कठोर नियमों के एक सेट द्वारा परिभाषित किया जाता है, जो FIDE के द्वारा निर्धारित किया जाता है।

इंडियन ग्रैंडमास्टर्स :

- शतरंज भारतीय सभ्यता में लंबे समय से मौजूद है, जिसका उल्लेख देश के महाकाव्यों, गीता और फिल्मों में भी मिलता है।
- हालांकि औपचारिक रूप से पश्चिमी शतरंज को अपनाने में भारत को समय लगा।
- वर्ष 1961 में पहले भारतीय "मैनुअल एरोन" को अंतरराष्ट्रीय मास्टर (IM) की उपाधि मिली।
- वर्ष 2000 के दशक में भारत शतरंज की महाशक्ति के रूप में उभरा।
- भारत में वर्तमान में 85 ग्रैंडमास्टर हैं।

- तमिलनाडु के "श्याम निखिल" ग्रैंडमास्टर की उपाधि रखने वाले 85वें ग्रैंडमास्टर बने, जिन्हें 2024 में यह उपाधि प्रदान की गई।
- भारत में तीन महिला शतरंज खिलाड़ी को ग्रैंडमास्टर की उपाधि प्रदान की गई, जिनमें कोनेरू हम्पी, हरिका द्रोणावल्ली और वैशाली रमेशबाबू शामिल है।
- वैशाली रमेशबाबू को वर्ष 2023 में ग्रैंडमास्टर की उपाधि प्रदान की गई।

डोम्माराजू गुकेश :

- डोम्माराजू गुकेश का जन्म 29 मई 2006 को तमिलनाडु के चेन्नई में हुआ।
- इनके पिता का नाम रजनीकांत एक सर्जन और मां पद्मा एक सूक्ष्म जीव विज्ञानी है।
- डी गुकेश ने 7 वर्ष की अवस्था से ही शतरंज खेलना शुरू किया।
- वर्ष 2015 में डी गुकेश ने एशियन स्कूल शतरंज चैंपियनशिप और वर्ष 2018 में U–12 (Under 12) श्रेणी में विश्व युवा शतरंज चैंपियनशिप का अंडर–9 वर्ग जीता।
- वर्ष 2018 के एशियाई यूथ शतरंज चैंपियनशिप में गुकेश ने 5 स्वर्ण पदक जीते।
- वर्ष 2018 में डी गुकेश को अंतरराष्ट्रीय मास्टर (IM)की उपाधि प्रदान की गई।
- 15 जनवरी 2019 को डी गुकेश को ग्रैंडमास्टर की उपाधि प्रदान की गई।
- डी गुकेश भारत के अब तक के सबसे युवा ग्रैंडमास्टर है।

शतरंज की उत्पत्ति :

- शतरंज की उत्पत्ति के संबंध में अभी भी विवाद बना हुआ है।
- कई इतिहासकारों का मानना है कि शतरंज की उत्पत्ति छठी शताब्दी में भारतीय खेल "चतुरंग" से हुआ, जो धीरे-धीरे शतरंज में बदल गया तथा आने वाले शताब्दियों में यह पूरे एशिया और यूरोप में फैल गया, जो अंतत: 16वीं शताब्दी में शतरंज के नाम से विकसित हुआ।

अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ (FIDE) :

- अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ की स्थापना 20 जुलाई 1924 को पेरिस में हुई थी।
- FIDE का मुख्यालय स्विट्जरलैंड में स्थित है।
- FIDE को वर्ष 1999 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक संघ (IOC) द्वारा मान्यता प्रदान की गई।

त्र में बर्फबारी में योगदान देते हैं।